भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या : *29
गुरुवार, 08 दिसम्बर, 2022 / 17 अग्रहायण, 1944 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा

***29. श्री प्रतापराव जाधव:**
श्री रवि किशनः

क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में देश के पहले ग्रीनफील्ड 'डोनी पोलो' हवाई अड्डे का उद्घाटन किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसकी मुख्य विशेषताएं क्या हैं;

(ग) राज्य सरकारों से ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों की स्थापना के लिए प्राप्त प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है और पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान इस उद्देश्य के लिए केंद्र सरकार द्वारा दिए गए अनापत्ति प्रमाण पत्र का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) देश में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों की स्थापना के लिए सरकार द्वारा निर्धारित मानदंडों का ब्यौरा क्या है: और

(ङ) उक्त अवधि के दौरान ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों की स्थापना के लिए आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्री (श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

(क) से (ङ) तक: वक्तव्य सदन के पटल पर रखा गया है।

******

"ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे" से संबंधित लोक सभा के दिनांक 08 दिसंबर 2022 के तारांकित (*) प्रश्न संख्या 29 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में से संदर्भित वक्तव्य।

(क) और (ख): दिनांक 19.11.2022 को डोनी पोलो हवाईअड्डा, इटानगर का उद्घाटन किया गया, जो अरुणाचल प्रदेश का पहला ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा है। डोनी पोलो हवाईअड्डे में एक टर्मिनल भवन है जो पीक आवर में 300 यात्रियों की सम्भलाई में सक्षम है। 2300 मीटर लंबे रनवे सहित, यह हवाईअड्डा बी-737/ए-320 टाइप के विमानों के प्रचालन के लिए उपयुक्त है। तीन बी-737/ए-320 टाइप के विमानों की पार्किंग के लिए एक उपयुक्त ऐप्रन सहित, हवाईअड्डे पर एक विशेष एप्रन है जिसमें चार एमआई-17 हेलिकॉप्टरों के लिए भी जगह है। हवाईअड्डा 29.11.2022 से चालू है।

(ग) और (घ): किसी भी ग्रीनफील्ड हवाईअडडे का विकास ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा नीति (जीएफए), 2008 के अंतर्गत शासित होता है। नीति के अनुसार, हवाईअड्डा स्थापित करने के इच्छुक राज्य सरकार या हवाईअड्डा विकासकर्ता द्वारा नागर विमानन मंत्रालय को 2 चरणों के अनुमोदन अर्थात 'साइट क्लियरेन्स' के बाद 'सैद्धांतिक अनुमोदन' के लिए प्रस्ताव भेजना अपेक्षित है। इस तरह के प्रस्तावों पर नागर विमानन मंत्रालय द्वारा जीएफए नीति में अनुबंधित प्रावधान के अनुसार विचार किया जाता है।

अभी तक, भारत सरकार ने देश भर में 21 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों की स्थापना के लिए 'सैद्धांतिक अनुमोदन' दिया है। इनमें से 09 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे नामत: दुर्गापुर, शिर्डी, कन्नूर, पकयोंग,कलाबुर्गी, ऑरवाकल (कुरनूल), सिंधुदुर्ग, कुशीनगर और डोनी पोलो, इटानगर प्रचालनिक हो चुके है।

भारत सरकार ने तीन ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों नामत: राजस्थान में अलवर, मध्य प्रदेश में सिंगरौली और हिमाचल प्रदेश में मंडी को पहले चरण का क्लियरेन्स अर्थात 'साइट क्लियरेन्स' प्रदान कर दिया है। पिछले तीन वर्ष के दौरान, मंडी हवाईअड्डा परियोजना को 2022 में 'साइट क्लियरेन्स' प्रदान किया गया है।

(ड.): नौ (09) प्रचालनरत हवाईअड्डों की परियोजना लागत है: दुर्गापुर-670 करोड़ रुपये, शिरडी-320 करोड़ रुपये, पाक्योंग-553.53 करोड़ रुपये, कन्नूर-2342 करोड़ रुपये, कलबुर्गी-175.57 करोड़ रुपये, ओरवाकल (कुरनूल)- 187 करोड़ रुपये, सिंधुदुर्ग- 520 करोड़ रुपये, कुशीनगर- 448 करोड़ रुपये और डोनी पोलो, ईटानगर- 646 करोड़ रुपये।

ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा नीति के अनुसार, परियोजनाओं के वित्त पोषण सहित हवाईअड्डा परियोजनाओं के कार्यान्वयन का उत्तरदायित्व संबंधित राज्य सरकार (यदि राज्य सरकार परियोजना प्रस्तावक है) सहित संबंधित हवाईअड्डा विकासकर्ता की है।

****